

# कार्यालय मुख्य विकास अधिकारी, गाजीपुर

पत्रांक 470 / DWSM-कार्यवृत्त / 10 दिनांक-30/03/2026

जल जीवन मिशन कार्यक्रम के अन्तर्गत जनपद गाजीपुर में क्रियान्वित की जा रही विभिन्न पाइप पेयजल योजनाओं की मुख्य विकास अधिकारी महोदय की अध्यक्षता में दिनांक- 07.03.2026 को हुई प्रगति समीक्षा बैठक का कार्यवृत्त:-

जल जीवन मिशन कार्यक्रम के अन्तर्गत जनपद गाजीपुर में क्रियान्वित की जा रही विभिन्न पाइप लाइन पेयजल योजनाओं की दिनांक-07.03.2026 को आहूत समीक्षा बैठक में निम्नलिखित अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

- 1- मुख्य विकास अधिकारी, गाजीपुर।
- 2- अधिशासी अभियन्ता जल निगम (ग्रामीण) गाजीपुर।
- 3- समस्त सहायक अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण) गाजीपुर।
- 4- जिला समन्वयक, डी0पी0एम0यू0 गाजीपुर।
- 5- डी0पी0एम0- टी0पी0आई0, मेसर्स मेधज टेक्नो कान्सेप्ट प्रा0लि0, गाजीपुर।
- 6-प्रोजेक्ट मैनेजर मेसर्स लार्सन एंड टुब्रो।
- 7-प्रोजेक्ट मैनेजर मेसर्स वी0एस0ए0 इन्फ्रा प्रोजेक्ट प्रा0लि0 एण्ड एस0एम0सी0 इन्फ्रास्ट्रक्चर।
- 8-प्रोजेक्ट मैनेजर मेसर्स एच0एफ0सी0एल0।

“जल जीवन मिशन कार्यक्रम” के अन्तर्गत निर्माणाधीन पेयजल योजनाओं की प्रगति समीक्षा हेतु जिला पेयजल एवं स्वच्छता समिति की बैठक मुख्य विकास अधिकारी महोदय की अध्यक्षता में दिनांक 07.03.2026 को आहूत की गयी। इससे पूर्व फरवरी माह में दिनांक 04.02.2026 को आहूत की गयी थी। अधिशासी अभियन्ता जल निगम (ग्रामीण) गाजीपुर द्वारा अवगत कराया गया कि शासन द्वारा पेयजल योजनाओं को पूर्ण करने हेतु 05 वर्गों में विभाजित किया गया है।

अधिशासी अभियन्ता, जल निगम(ग्रामीण) द्वारा यह भी अवगत कराया गया कि शासनादेश के क्रम में श्रेणीवार क्रमशः A,B,C,D एवं E के कुल 264 योजनाओं के सम्बन्ध में कार्यदायी संस्थावार समीक्षा की गयी। जिसका विवरण निम्नानुसार है:-

क्र0 सं0	वर्गवार विवरण	कार्यदायी संस्थावार सम्भावित जलापूर्ति प्रारम्भ होने वाली पेयजल योजनाओं का विवरण			
		मेसर्स एल0 एण्ड टी0 योजनाओं की संख्या	मेसर्स वी0एस0ए0 योजनाओं की संख्या	मेसर्स एच0एफ0सी0एल0 योजनाओं की संख्या	कुल योग
A	Physical is 100% (with Chlorination Plant) & have done for O&M	22	5	0	27
B	Physical progress is 100% (with Chlorination plant ) & are in “Trial run” as of now. They should go to O&M as soon as possible	48	18	3	69
C	Physical progress is 100% (with Chlorination Plant ) but not yet started the Trail run. They should go to Trial run as soon as possible	11	21	37	69
D	Physical progress is between 91 to 100%	9	10	0	19
E	Physical progress is between 81 to 90 %.	16	15	49	80
	कुल योग-	106	69	89	264

अधिशाली अभियन्ता, जल निगम द्वारा अवगत कराया गया कि कार्यदायी संस्थाओं द्वारा और भी योजनाएं जो कैटेगरी B में उल्लेखित हैं, उन्हें कैटेगरी A में सम्मिलित किया जा सकता है। इसके लिए कार्यदायी संस्थाओं द्वारा श्रमिकों की संख्या बढ़ाकर कार्य को पूर्ण कर लिया जाय। कार्यदायी संस्थावार योजनाओं की प्रगति का विवरण निम्नानुसार है:-

1-एल0 एण्ड टी0:- कार्यदायी संस्था एल0 एण्ड टी0 द्वारा कैटेगरी A में 22 योजनाएं हैं। 14 योजनाओं में पायी गयी कमियों की सूचना जो कार्यदायी संस्था को उपलब्ध करायी गयी है। उन्हें दूर करा दी जाये तो कैटेगरी A में 36 योजनाएं तत्काल आ जायेगी। अधोहस्ताक्षरी द्वारा निर्देशित किया गया कि एक सप्ताह के अन्दर 14 योजनाओं को एवं मार्च 2026 के अन्तर्गत कैटेगरी B की सभी योजनाओं को कैटेगरी A में परिवर्तित की जाये। माह मार्च 2026 के अन्त तक कार्यदायी संस्था एल0 एण्ड टी0 का कुल 70 योजनाएं कैटेगरी A में सम्मिलित हो जानी चाहिए। कार्यदायी संस्था के प्रोजेक्ट मैनेजर द्वारा माह मार्च 2026 में 70 योजनाओं को कैटेगरी A में सम्मिलित करने पर सहमति व्यक्त की गयी है।

2- वी0एस0ए0:- कार्यदायी संस्था वी0एस0ए0 द्वारा कैटेगरी A में 05 योजनाएं हैं। 03 योजनाओं में पायी गयी कमियों की सूचना जो कार्यदायी संस्था को उपलब्ध करायी गयी है। उन्हें दूर करा दी जाये तो कैटेगरी A में 08 योजनाएं तत्काल आ जायेगी। अधोहस्ताक्षरी द्वारा निर्देशित किया गया कि एक सप्ताह के अन्दर 03 योजनाओं को एवं मार्च 2026 के अन्तर्गत कैटेगरी B की शेष 15 योजनाओं को कैटेगरी A में परिवर्तित की जाये। माह मार्च 2026 के अन्त तक कार्यदायी संस्था वी0एस0ए0 का कुल 23 योजनाएं कैटेगरी A में सम्मिलित हो जानी चाहिए। कार्यदायी संस्था के प्रोजेक्ट मैनेजर द्वारा माह मार्च 2026 में 23 योजनाओं को कैटेगरी A में सम्मिलित करने पर सहमति व्यक्त की गयी है।

3- कार्यदायी संस्था एच0एफ0सी0एल0:- कार्यदायी संस्था एच0एफ0सी0एल0 द्वारा कैटेगरी A में शून्य योजनाएं हैं। 04 योजनाओं में पायी गयी कमियों की सूचना जो कार्यदायी संस्था को उपलब्ध करायी गयी है। उन्हें दूर करा दी जाये तो कैटेगरी A में 04 योजनाएं तत्काल आ जायेगी। अधिशाली अभियन्ता जल निगम द्वारा बताया गया कि शासन के संशोधित गाइड लाइन के अनुसार कार्यदायी संस्था यदि कार्य पूर्ण कर लेती है तो 12 और योजनाएं कैटेगरी A में आ जायेगी। अधोहस्ताक्षरी द्वारा निर्देशित किया गया कि एक सप्ताह के अन्दर 04 योजनाओं को एवं मार्च 2026 के अन्तर्गत 12 योजनाओं में शासनादेश के अन्तर्गत कार्य पूर्ण करते हुए कैटेगरी A में सम्मिलित किया जाना सुनिश्चित किया जाय। माह मार्च 2026 के अन्त तक कार्यदायी संस्था एच.एफ.सी.एल. का कुल 16 योजनाएं कैटेगरी A में सम्मिलित हो जानी चाहिए। कार्यदायी संस्था के प्रोजेक्ट मैनेजर द्वारा माह मार्च 2026 में 16 योजनाओं को कैटेगरी A में सम्मिलित करने पर सहमति व्यक्त की गयी है।

योजनाओं में जलापूर्ति का विवरण:- अधिशाली अभियन्ता, जल निगम द्वारा अवगत कराया गया कि कार्यदायी संस्थाओं द्वारा शिरोपरि जलाशय के माध्यम से 101 नग योजनाओं में एवं डायरेक्ट पम्पिंग के माध्यम से 94 नग योजनाओं में कुल 195 नग योजनाओं में जलापूर्ति की जा रही है। कार्यदायी संस्थावार विवरण निम्नवत है:-

1- कार्यदायी संस्था एल0 एण्ड टी0:- कार्यदायी संस्था एल0 एण्ड टी0 द्वारा 176 योजनाओं के सापेक्ष 78 नग योजनाओं में शिरोपरि जलाशय के माध्यम से एवं 13 नग योजनाओं में डायरेक्ट पम्पिंग के माध्यम से जलापूर्ति की जा रही है। इस सम्बन्ध में अधोहस्ताक्षरी द्वारा निर्देशित किया गया कि कार्यदायी संस्था द्वारा 106 नग योजनाओं में 81 प्रतिशत से अधिक कार्य पूर्ण कर लिया गया है तो किन् परिस्थितियों में मात्र 91 नग योजनाओं में जलापूर्ति की जा रही है। यह प्रगति संतोषजनक नहीं है। कार्यदायी संस्था के प्रोजेक्ट मैनेजर को निर्देशित किया गया कि 106 नग योजनाओं में मार्च 2026 के अन्दर जलापूर्ति प्रत्येक दशा में सुनिश्चित किया जाय।

2- कार्यदायी संस्था वी0एस0ए0:- कार्यदायी संस्था वी0एस0ए0 द्वारा 175 योजनाओं के सापेक्ष 23 नग योजनाओं में शिरोपरि जलाशय के माध्यम से एवं 37 नग योजनाओं में डारयेक्ट पंपिंग के माध्यम से जलापूर्ति की जा रही है। इस सम्बन्ध में अधोहस्ताक्षरी द्वारा निर्देशित किया गया कि कार्यदायी संस्था द्वारा 69 नग योजनाओं में 81 प्रतिशत से अधिक कार्य पूर्ण कर लिया गया है तो किन परिस्थितियों में मात्र 60 नग योजनाओं में जलापूर्ति की जा रही है। यह प्रगति संतोषजनक नहीं है। कार्यदायी संस्था के प्रोजेक्ट मैनेजर को निर्देशित किया गया कि 69 नग योजनाओं में मार्च 2026 के अन्दर जलापूर्ति प्रत्येक दशा में सुनिश्चित किया जाय।

3- कार्यदायी संस्था एच0एफ0सी0एल0:- कार्यदायी संस्था एच0एफ0सी0एल0 द्वारा 412 योजनाओं के सापेक्ष शून्य नग योजनाओं में शिरोपरि जलाशय के माध्यम से एवं 44 नग योजनाओं में डारयेक्ट पंपिंग के माध्यम से जलापूर्ति की जा रही है। इस सम्बन्ध में अधोहस्ताक्षरी द्वारा निर्देशित किया गया कि कार्यदायी संस्था द्वारा 89 नग योजनाओं में 81 प्रतिशत से अधिक कार्य पूर्ण कर लिया गया है तो किन परिस्थितियों में मात्र 44 नग योजनाओं में जलापूर्ति की जा रही है। यह प्रगति संतोषजनक नहीं है। कार्यदायी संस्था के प्रोजेक्ट मैनेजर को निर्देशित किया गया कि 89 नग योजनाओं में मार्च 2026 के अन्दर जलापूर्ति प्रत्येक दशा में सुनिश्चित किया जाय।

अन्त में अधोहस्ताक्षरी द्वारा निर्देशित किया गया कि माह मार्च 2026 में कुल 109 नग योजनाओं को कैटेगरी A में सम्मिलित करने एवं 264 नग योजनाओं में जलापूर्ति सुनिश्चित कराये जाने हेतु आदेश का पालन अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किया जाये। इस सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं होगी तथा उपरोक्तानुसार शासनादेश में निहित शर्तों/प्रतिबन्धों के अनुसार योजनाओं को पूर्ण कराया जाना सुनिश्चित किया जाय।

(संतोष कुमार वैश्य)

मुख्य विकास अधिकारी

गाजीपुर।

पृ0सं0- 470 /DWSM-कार्यवृत्त/ 10 दिनांक: 30/03/2026

प्रतिलिपि-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. प्रबन्ध निदेशक महोदय, उ0प्र0 जल निगम(ग्रामीण), लखनऊ।
2. अधिशासी निदेशक महोदय, राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन, प्रथम तल किसान बाजार, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ।
3. जिलाधिकारी महोदय, गाजीपुर।
4. मुख्य अभियन्ता(ग्रामीण), उ0प्र0 जल निगम(ग्रामीण), लखनऊ।
5. मुख्य अभियन्ता(वाराणसी), उ0प्र0 जल निगम(ग्रामीण), वाराणसी।
6. वित्त निदेशक, उ0प्र0 जल निगम(ग्रामीण), लखनऊ।
7. अधीक्षण अभियन्ता, मण्डल कार्यालय उ0प्र0 जल निगम(ग्रामीण), वाराणसी।
8. जिलाधिकारी, गाजीपुर।
9. अधिशासी अभियन्ता, खण्ड कार्यालय, उ0प्र0 जल निगम(ग्रामीण), गाजीपुर।
10. अधिशासी अभियन्ता, खण्ड कार्यालय(वि0/याँ0), उ0प्र0 जल निगम(ग्रामीण), वाराणसी।
11. समस्त कार्यदायी संस्था, डी0सी0-डी0पी0एम0यू0, डी0पी0एम0-टी0पी0आई0, गाजीपुर।

मुख्य विकास अधिकारी

गाजीपुर।